www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 326 || लखनऊ
रविवार
01 मार्च 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:30
सूर्यास्त: 06:07
अधिकतम: 31°00
न्यूनतम: 17°00

पेज 03

विशेष समाचार: होली: आध्यात्मिक चेतना एवं... >> पेज 02 | डंपर से ट्रक क्लीनर को कुचला... >> पेज 04 | यामी गौतम ने देख ली धुरंधर 2!...

अमेरिका-इजराइल का ईरान पर हमला

ईरान ने भी इजराइल-दुबई पर 400 मिसाइलें दागीं

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। इजराइल ने शनिवार सुबह ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर बड़ा हमला किया। ईरानी एजेंसियों के मुताबिक, दक्षिणी ईरान के एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 40 छात्राओं की मौत हो गई, जबकि 45 घायल हैं। अमेरिका और इजराइल ने इसे जॉइंट सैन्य कार्रवाई बताया है। ट्रम्प ने वीडियो जारी कर कहा कि ईरान पर यह हमला उनके नागरिकों की रक्षा के लिए किया गया है। जवाब में ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व UAE में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने UAE के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया। इजराइल ने ईरान के खिलाफ अपने नए अभियान का नाम 'लियोनस् रोर' (शेर की दहाड़) रखा है। ये हमला ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु हथियारों को लेकर चल रही बातचीत के बीच हुआ है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में ईरान पर हमले की धमकी दी थी। ट्रम्प के मुताबिक, अमेरिकी सेना ईरान की मिसाइलों को तबाह करने और उसके मिसाइल प्रोग्राम को खत्म करने की कोशिश कर रही है। कतर के अमीर ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस से फोन पर बात की और मौजूदा हालात पर चर्चा की। दोनों ने कहा कि हालात को और बिगड़ने से रोकना चाहिए और तुरंत तनाव कम कर बातचीत शुरू करनी चाहिए। सऊदी अरब ने कतर का पूरा समर्थन किया और कतर पर मिसाइल हमले की निंदा की।

>> (शेष पेज 04 पर)

रूसी विदेश मंत्री ने ईरानी विदेश मंत्री से बात की

रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बात की। इस बातचीत में लावरोव ने अमेरिका और इज़राइल के हमलों की कड़ी निंदा की। रूस के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को बिना उकसावे वाली कार्रवाई बताया। रूस ने तुरंत इन हमलों को रोकने की अपील भी की है।

स्कूल पर मिसाइल गिरने से 40 छात्राओं की मौत

ईरान-अमेरिका के बीच बैलिस्टिक मिसाइल पर विवाद चल रहा था

ईरान और अमेरिका के बीच चल रही परमाणु समझौते की बातचीत में बैलिस्टिक मिसाइल प्रोजेक्ट सबसे बड़ा विवाद का मुद्दा बन गया है। ईरान इस पर बिल्कुल भी समझौता करने को तैयार नहीं है और इसे अपनी रेड लाइन मानता है। ईरान का कहना है कि यह उसके बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम रक्षा के लिए जरूरी है। ईरान का कहना है कि जून 2025 में इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु साइटों पर हमला किया, तब ईरान की मिसाइलों ने ही उसकी रक्षा की। ईरानी अधिकारियों ने बार-बार कहा है कि मिसाइल कार्यक्रम पर कोई बात नहीं होगी।

खड़गे बोले- ईरान में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ईरान में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने केंद्र सरकार से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। खड़गे ने कहा कि हालिया सैन्य घटनाक्रम के बाद मध्य-पूर्व की स्थिति बिगड़ रही है और ऐसे समय में शांति व स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

"यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने फिर से ईरान से आने वाली नई मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया है। दुबई में कुछ जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गई। माना जा रहा है कि ये आवाजें मिसाइलों को रोकते समय हुईं।

ओमान बोला- ये हमला अमेरिका और दुनिया के लिए फायदेमंद नहीं

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने मध्य पूर्व में बढ़ती हिंसा पर दुख जताया है। ईरान के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत कराने की कोशिश कर रहे थे।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट

धमाके की आवाज 5 कि.मी दूर तक सुनाई दी

21 लोगों की मौत
8 गंभीर घायल

- ब्लास्ट के बाद पूरी फैक्ट्री जलकर राख हो गई।
- फैक्ट्री में धमाका इतना तेज था कि 5 किमी दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना शुरू किया। पुलिस अधिकारी ने बताया- धमाका इतना तेज था कि लाशें पास के धान के खेतों में जाकर गिरीं। हरे-भरे धान के खेतों के बीच डरावना मंजर देखने को मिला, जब स्थानीय लोग बाराकालू, यानी खाद की बोरियों से बनी चादरों में लाशें ले जाते दिखे। पुलिस ने पास के खेतों में बिखरे शरीर के हिस्सों का पता लगाने के लिए ड्रोन तैनात किए हैं।

पीएम ने 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए हर मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री नेशनल रिलीफ फंड (PMNRF) से दो लाख रुपए देने का ऐलान किया है। वहीं घायलों को 50,000 की आर्थिक मदद दी जाएगी। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने को कहा है।

पीएम ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन किया

कहा- देश आज हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचाना जा रहा

- पीएम ने साणंद में सेमीकंडक्टर प्लांट का उद्घाटन करने के बाद स्पीच दी।
- पीएम मोदी को फैक्ट्री के बारे समझाते फैक्ट्री के अधिकारी।

तमसा संकेत, एजेंसी

साणंद (गुजरात)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के साणंद में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (ATMP) फैसिलिटी का उद्घाटन किया। पीएम ने कहा कि 10-11 साल पहले तक भारत में डेटा और चिप की चर्चा कम होती थी। पहले देश की पहचान सॉफ्टवेयर के रूप में थी, आज भारत हार्डवेयर बनाने के लिए भी पहचाना जाने लगा है। उन्होंने कहा- जून 2023 में MOU साइन हुआ, सितंबर 2023 में काम शुरू हुआ और फरवरी 2026 में यहां प्रोडक्शन शुरू हो गया। इस सेक्टर को जानने वाले समझते हैं कि यह बहुत तेज रफ्तार है। साफ नीयत हो तो नीतियां भी साफ बनती हैं और फैसले जल्दी होते हैं। इस प्लांट में पहली बार मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर मेमोरी मॉड्यूल्स का कमर्शियल प्रोडक्शन और शिपमेंट शुरू होगा। यह केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन का पहला प्रोजेक्ट है। यह प्लांट 22,516 करोड़ रुपए की लागत से बना है। यह प्लांट एटीएमपी (असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग) टेक्नोलॉजी पर आधारित है। प्लांट में सेमीकंडक्टर चिप्स को जोड़ा जाएगा, उनकी जांच की जाएगी, उन पर जरूरी मार्किंग और फिर पैकेजिंग की जाएगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

केजरीवाल ने कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा की

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम और AAP नेता अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा की। उनके साथ पत्नी सुनीता केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, AAP सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेता मौजूद रहे। एक दिन पहले ही दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई मामले में केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 लोगों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बरी किया था।

महिला से रेप करके चौथी मंजिल से फेंका, मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा में 23 साल की युवती के साथ रेप करके उसे चौथी मंजिल से फेंक कर मारने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा पुलिस ने इसी युवती को शादी का झांसा देकर रेप करने वाले आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं। दोनों घटनाएं 22 फरवरी की हैं, 23 फरवरी को युवती का शव मिला था। शनिवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक (SP) अंकित कुमार वर्मा ने बताया कि 22 फरवरी से युवती सुबह 10 बजे घर से लापता थी। वह अपने प्रेमी के साथ भागकर शादी करने के लिए घर से निकली थी।

पंजाब में तकनीकी क्रांति का मेगा प्रोजेक्ट

चंडीगढ़। मोहाली में देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टावर लगाया जाएगा। इसकी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। यहां देश-विदेश की लगभग 300 एआई आधारित कंपनियां काम करेंगी। यहां केवल सॉफ्टवेयर नहीं, एआई से जुड़े उत्पादों का निर्माण भी होगा। इससे पंजाब के स्टार्टअप को मजबूती मिलेगी।

राहुल गांधी की पंजाब कांग्रेस को चेतावनी

बरनाला में बोले- टीम प्लेयर बनो, वरना मैं ठीक कर दूंगा

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

बरनाला। पंजाब के बरनाला में शनिवार को कांग्रेस की मजदूर महारैली हुई। इसमें राहुल गांधी ने पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी को लेकर नेताओं को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को मैसेज देना चाहता हूं कि काम टीम वर्क से होता है। एक प्लेयर गेम नहीं जीत सकता है। हमारे पास पूरी टीम बैठी है। मैं मैसेज देना चाहता हूं कि टीम प्लेयर बनो। वरना रिजर्व में बैठा देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि चाहे आप कितने भी बढ़े हो, पार्टी से बड़ा कोई नहीं है। आप टीम प्लेयर बनो। नहीं बने तो मैं और खड़गे आपको ठीक कर देंगे। यहां सारे सीनियर नेता बैठे हैं। मैं इनको बताना चाहता हूं कि हमारी सच्ची शक्ति हमारे कार्यकर्ता हैं। जो भी होगा पंजाब में इनकी रिस्पेक्ट से होगा। उन्होंने कहा कि 4 महीने से अमेरिका-भारत डील रुकी थी। संसद में जब मेरा भाषण चल रहा था तो उसे रोका जा रहा था।

>> (शेष पेज 04 पर)

61 लाख लोगों के नाम हटे, अब तक 11 राज्यों-यूटी की अंतिम मतदाता सूची जारी

बंगाल एसआईआर : फाइनल लिस्ट में 7.04 करोड़ से ज्यादा वोटर

सीईओ ने कहा- 60 लाख से ज्यादा वोटर अंडर एडजुडिकेशन कैटेगरी में हैं, लेकिन उन्हें पोस्ट-एसआईआर इलेक्टोरल रोल में शामिल कर लिया गया है। रिवीजन प्रोसेस इलेक्शन कमीशन के निर्देशों के अनुसार किया गया था।

संशोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

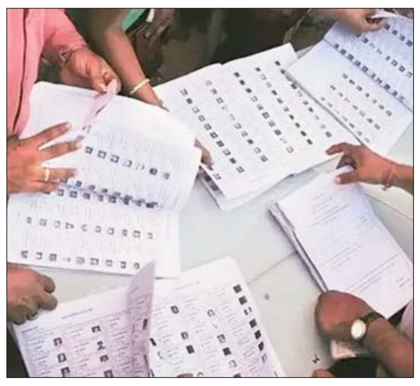

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की फाइनल वोटर लिस्ट शनिवार को पब्लिश हो गई है। राज्य के चुनाव आयुक्त (CEO) मनोज कुमार अग्रवाल ने बताया कि राज्य में अब कुल वोटर की संख्या 7,04,59,284 है। SIR से पहले राज्य में 7.66 करोड़ वोटर थे। इस पूरी प्रक्रिया में कुल 61,78,245 लोगों के नाम काटे गए हैं। इलेक्टोरल रोल रिवीजन प्रोसेस में फॉर्म-7 के जरिए 5,46,053 लाख से ज्यादा वोटरों के नाम हटाए गए और फॉर्म-6 और फॉर्म-6A जमा करके 1,82,036 वोटरों को शामिल किया गया। देश के 12 राज्यों-UT में 27 अक्टूबर 2025 से SIR के दूसरे फेज के तहत वोटर वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू हुई थी। अब तक कुल 11 राज्यों-UT की फाइनल लिस्ट पब्लिश हो चुकी है। अब 10 अप्रैल को उत्तर प्रदेश की फाइनल लिस्ट आएगी।

मार्च के दूसरे हफ्ते में बंगाल में चुनाव का ऐलान संभव

राज्य चुनाव आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान मार्च के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है। चुनाव कितने फेज में होंगे, इस पर लगातार अंदाजा लगाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि वोटिंग तीन फेज में हो सकती है। आयोग की पूरी बेंच पहले ही तमिलनाडु और असम का दौरा कर चुकी है, लेकिन अभी तक पश्चिम बंगाल का दौरा नहीं किया है।

नादिया में पैरामिलिट्री और पश्चिम बंगाल पुलिस के जवानों ने फ्लैग मार्च किया।

विवाद : 9 साल में सिर्फ मोबाइल कवर बना पाए, चीन का डॉग दिखा देश को बदनाम किया

योगी विदाई से पहले जापान गए : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

कन्नौज। 'वैसे तो लोग विदाई के बाद विदेश घूमने जाते हैं। लेकिन, योगी ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं जो विदाई से पहले ही जापान चले गए। यही नहीं, दुनिया के डेलीगेट्स के सामने चीन का डॉग दिखाकर भाजपा ने देश की बदनामी कराई। अब वह सड़क पर डॉग देखकर भी घबरा रहे हैं।' यह बात सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सीएम योगी के जापान दौरे पर तंज कसते हुए कही। अखिलेश शनिवार को कन्नौज में तिर्वा के खैरनगर रोड पर रहने वाले बैंकिंग सेक्टर के महानिदेशक संस्थागत (वित्त) शिव सिंह यादव के घर आए थे। उन्होंने शिव सिंह के पिता लक्ष्मीनारायण यादव को श्रद्धांजलि दी। अखिलेश ने बिना नाम लिए केशव मौर्य के जर्मनी दौरे को लेकर कहा कि इन लोगों में एक राय नहीं है। कोई पूर्व में गया, तो कोई पश्चिम में। जो जर्मनी गए थे, वो वहां मर्सिडीज म्यूजियम नहीं गए। क्योंकि, अपने यहां मर्सिडीज एक स्टेटस सिंबल है। शायद वो ये समझ गए कि इसे देखने का कोई फायदा नहीं, क्योंकि वो मर्सिडीज में बैठ नहीं पाएंगे। अखिलेश ने कहा- सरकार अमेरिका से डील कर रही है। चीन का बाजार छिन रहा, इजरायल को देश का पूरा कारोबार दे रहे हैं। इससे हमारे बच्चों का भविष्य क्या होगा? दिल्ली की 11 साल और यूपी की 9 साल की सरकार में ये लोग देश को क्या दे पाए? सिर्फ मोबाइल का कवर बना पाए। अगर काम होता तो मोबाइल के कैमरे, ग्लास गार्ड भी अपने देश में बन रहा होता, लेकिन हम लोग सिर्फ कवर बना पाए। सरकार ने युवाओं को सेल्फी लेना सिखा दिया। अब युवा इसमें अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। उनके पास रोजगार नहीं है। अखिलेश ने जापान की हाई स्पीड ट्रेन का जिक्र करते हुए कहा- ट्रेन में बैठकर मुख्यमंत्री उंगली दिखा रहे थे।

>> (शेष पेज 04 पर)

जेपीएनआईसी धीरे-धीरे खुल रहा, अफसर समझ गए कि सपा आ रही

अखिलेश ने कहा- लखनऊ में जय प्रकाश नारायण के नाम पर स्मारक (JPNIC) को इन्होंने बर्बाद कर दिया। जबकि, भाजपा के गठन के बाद उनके पहले अधिवेशन में उन्होंने खुद को समाजवादी साबित करने के लिए जय प्रकाश जी की तस्वीर का इस्तेमाल किया था। अब अधिकारियों को पता लग गया है कि सरकार समाजवादियों की आने वाली है। इसलिए वो धीरे-धीरे खुल रहा है। अभी पार्किंग खुली है, फिर अंदर भी खुलेगा। फिर समाजवादियों को दे दिया जाएगा।

कन्नौज में अखिलेश यादव ने शिव सिंह के पिता लक्ष्मीनारायण यादव को श्रद्धांजलि दी।

"अखिलेश यादव ने कहा- गरीबों के लिए काम करने वाले अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा लगाकर उनकी सरकार भाजपाइयों ने छीन ली। ये नैतिकता की हत्या है। कोर्ट ने उन्हें बेकसूर साबित कर दिया।

ईरान-इजराइल जंग, भारत ने एडवाइजरी जारी की

खाड़ी देशों में भारतीयों से घरों में रहने की अपील

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/तेहरान/तल अवीव। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर संयुक्त सैन्य हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। हालात को देखते हुए भारत सरकार ने शनिवार को ईरान और इजराइल समेत खाड़ी देशों में रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर घरों में रहने की अपील की है। ईरान, इजराइल समेत यूएई, सऊदी अरब, जॉर्डन, बहरीन और फिलिस्तीन में भारतीय दूतावासों ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। जॉर्डन में भारतीय पर्यटकों को संभावित उड़ान बाधा से पहले देश छोड़ने की भी सलाह दी गई है। जम्मू-कश्मीर स्टूडेंट एसोसिएशन (JKSA) ने ईरान में पढ़ रहे भारतीय छात्रों की सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। एसोसिएशन ने छात्रों को वापस लाने की मांग की है।

- दक्षिणी ईरान के स्कूल पर इजराइली मिसाइल हमले के बाद का फुटेज। इस हमले में 40 लड़कियां मारी गई हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

नवाचार के जरिये अपनी क्षमता प्रदर्शित करने की हुई बात

जट के बाद 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार एवं वित्त' विषय एक वेबिनार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह जो कहा कि भारतीय कंपनियों को नए निवेश एवं नवाचार के साथ आगे आना चाहिए, उस पर उन्हें सकारात्मकता के साथ अपनी सक्रियता का परिचय देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से बजट घोषणाओं का लाभ उठाने का आग्रह भी किया। कायदे से तो ऐसे किसी आग्रह की आवश्यकता ही नहीं पड़नी चाहिए। उद्योग जगत को स्वतः सक्रिय हो जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं, जब प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत को नवाचार के जरिये अपनी क्षमता प्रदर्शित करने को कहा हो। वे इसके साथ ही यह भी कहते रहे हैं कि उद्योग जगत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने में सक्षम बनना चाहिए और शोध एवं विकास में निवेश करना चाहिए। विडंबना यह है कि हमारे ऐसे बड़े कारोबारी भी यह काम नहीं कर रहे हैं, जिनके पास पूंजी की कोई कमी नहीं। वे नवाचार के नाम पर ऐसे नए काम अधिक हाथ में लेते हैं, जिनसे कम समय में आसानी से धन अर्जित किया जा सके। यही कारण है कि वे ऐसे कोई उत्पाद तैयार नहीं कर पा रहे हैं, जिनकी देश के साथ दुनिया में भी मांग हो। यह सामान्य बात नहीं कि चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के बाद भी चंद भारतीय उत्पाद ही ऐसे हैं, जिनकी विश्व में थोड़ी-बहुत पहचान और प्रतिष्ठा है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि भारतीय उद्योग जगत शोध एवं विकास में पैसा खर्च न कर पाने के कारण न तो चीनी उत्पादों का मुकाबला कर पा रहे हैं और न ही अपने उत्पाद विश्व बाजार में आसानी से खपा पा रहे हैं। जहां चीन में उद्योग जगत आर्थिक विकास का नेतृत्व करते दिखता है, वहीं भारत में कारोबारी सरकार के प्रोत्साहन पर भी तत्परता नहीं दिखाते। एक-दो कारोबारी समूहों को छोड़ दिया जाए तो आम तौर पर हमारे कारोबारी वैश्विक स्तर की उत्पादकता हासिल करने के लिए सक्रिय नहीं। वे अपने उत्पादों की गुणवत्ता भी विश्वस्तरीय बनाने के लिए उत्साही नहीं हैं। एक ऐसे समय जब सरकार एक के बाद एक देशों से मुक्त व्यापार समझौते कर रही हैं और इसके चलते शीघ्र ही कई विकसित देशों के बाजार भी भारतीय उद्योग जगत की पहुंच में होंगे, तब तो उन्हें इन समझौतों का पूरा लाभ उठाने के लिए कमर कसनी ही चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि सरकार प्रक्रियाओं को सरल बनाने के साथ कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयत्न कर रही है। उचित यह होगा कि प्रधानमंत्री ने सरकार, उद्योग जगत, वित्तीय संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग स्थापित करने वाले जिस 'रिफार्म पार्टनर-शिप चार्टर' की बात की, उस पर गंभीरता से काम हो, ताकि वह विकसित भारत की मजबूत आधारशिला बन सके।

होली: आध्यात्मिक चेतना एवं वैज्ञानिक दृष्टि का सांस्कृतिक उत्सव

निश्चित तौर पर होली हमें यह सिखाती है कि बाहरी रंग क्षणिक हैं, किंतु आंतरिक प्रेम और सद्भाव शाश्वत हैं। यदि हम अपने भीतर के अहंकार को जला दें और हृदय में करुणा का रंग भर दें, तो हर दिन होली बन सकता है। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब आर्थिक उन्नति के साथ सांस्कृतिक चेतना भी समानांतर चले।

होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की सजीव अभिव्यक्ति है। यह वह पर्व है जो मनुष्य को उसके भीतर झाँकने का अवसर देता है और याद दिलाता है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि अंतःकरण की निर्मलता में निहित है। समय के प्रवाह में होली के स्वरूप में अनेक परिवर्तन आए हैं। कहीं यह उत्सव उल्लास का माध्यम बना, तो कहीं उच्छृंखलता का पर्याय भी दिखाई देने लगा। छेड़खानी, मादक पदार्थों का सेवन, मारपीट और मर्यादा का उल्लंघन जैसी प्रवृत्तियां इस पावन पर्व की आत्मा के विपरीत हैं। वस्तुतः सही अर्थों में होली का अर्थ शालीनता का अतिक्रमण नहीं, बल्कि आंतरिक विकारों का दहन और संबंधों का पुनर्जीवन है। आवश्यकता इस बात की है कि हम होली के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक आयामों को समझें और समसामयिक संदर्भों में उसे एक नई गरिमा और जीवंतता प्रदान करें। होली का मूल प्रेरक प्रसंग प्रह्लाद और होलिका की कथा से जुड़ा है। यह कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि गहन प्रतीकात्मक संदेश है। प्रह्लाद अटूट श्रद्धा और सत्यनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि होलिका अहंकार और दुराग्रह का प्रतिनिधित्व करती है। होलिका-दहन हमें यह सिखाता है कि अंततः विजय सत्य की होती है और अहंकार की ज्वाला स्वयं को ही भस्म कर देती है। जब हम होलिका की अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो उसका वास्तविक अर्थ बाहरी लकड़ियों को जलाना नहीं, बल्कि अपने भीतर के क्रोध, ईर्ष्या, द्वेष और अहं को दग्ध करना है। यदि यह आंतरिक शुद्धि नहीं हुई, तो होली केवल एक सामाजिक आयोजन बनकर रह जाएगी। रंगों का आध्यात्मिक अर्थ भी अत्यंत गहरा है। भारतीय संस्कृति में प्रत्येक रंग का अपना भाव है। लाल ऊर्जा और प्रेम का प्रतीक है, पीला ज्ञान और पवित्रता का, हरा जीवन और समृद्धि का, नीला अनंत आकाश और व्यापक चेतना का। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो मानो यह घोषणा करते हैं कि हम भेदभाव की सीमाएँ मिटाकर एकात्मता का अनुभव करेंगे। रंग हमें सिखाते हैं कि विविधता ही जीवन का सौंदर्य है। अलग-अलग रंग मिलकर ही इंद्रधनुष बनाते हैं; उसी प्रकार विभिन्न समुदायों, विचारों और संस्कृतियों का समन्वय ही समाज को समृद्ध बनाता है। यही होली का सांस्कृतिक संदेश है-विविधता में एकता। वैज्ञानिक दृष्टि से भी होली का विशेष महत्व है। यह पर्व फाल्गुन पूर्णिमा को आता है, जब शीत ऋतु का समापन और ग्रीष्म ऋतु का आरंभ होता है। यह संक्रमण काल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता के लिए संवेदनशील समय होता है। परंपरागत रूप से होलिका-दहन की अग्नि के समीप बैठना और उसकी ऊष्मा ग्रहण करना स्वास्थ्य की दृष्टि से लाभकारी माना गया। प्राचीन काल में टेसू के फूलों, चंदन, हल्दी और प्राकृतिक गुलाल से बने रंगों का प्रयोग किया जाता था, जिनमें औषधीय गुण होते थे। वे त्वचा को लाभ पहुँचाते थे और संक्रमण से भी रक्षा करते थे। आज रासायनिक रंगों के दुष्प्रभावों ने इस परंपरा को चुनौती दी है। अतः आवश्यक है कि हम प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों की ओर लौटें। विकसित भारत की संकल्पना में स्वच्छता, हरित जीवनशैली और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जो आग्रह है, वह होली के पारंपरिक स्वरूप से पूर्णतः सामंजस्य रखता है। सांस्कृतिक दृष्टि से होली भारतीय समाज की सामूहिक चेतना का उत्सव है। यह वह अवसर है जब सामाजिक भेदभाव की दीवारें कमजोर पड़ती हैं और अपनत्व का रंग गहरा होता है। गाँवों में फाग-गीतों की गूंज, चौपालों पर हास-परिहास, नगरों में सांस्कृतिक आयोजन-ये सब सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करते हैं। होली का एक स्वरूप वह भी है, जब लोग पुराने मनमुटाव भुलाकर गले मिलते हैं और संबंधों को नया आयाम देते हैं। यह पर्व संवाद और समरसता का सेतु बन सकता है, बशर्ते हम इसकी मूल भावना को समझें। आज के वैश्वीकरण के युग में नई पीढ़ी आधुनिकता को प्रगति का पर्याय मानती है। आधुनिकता स्वागतयोग्य है, किंतु यदि वह मूल्य-विस्मृति का कारण बन जाए, तो समाज का संतुलन बिगड़ सकता है। "बुरा न मानो होली है" का अर्थ किसी की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं, बल्कि हँसी-खुशी के साथ आत्मीयता बाँटना है। महिलाओं के सम्मान, सार्वजनिक मर्यादा और सामाजिक उत्तरदायित्व का ध्यान रखते हुए होली मनाना ही सच्ची भारतीयता है। यदि उत्सव के नाम पर उच्छृंखलता बढ़े, तो वह हमारे सांस्कृतिक आत्मसम्मान के विपरीत है। नई पीढ़ी को यह समझाना होगा कि आनंद और अनुशासन एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक आत्मविश्वास की नई यात्रा पर अग्रसर है। "नया भारत" और "विकसित भारत" की परिकल्पना केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी जुड़ी है। अंतर-राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय परंपराओं, योग, आयुर्वेद और त्योहारों की बढ़ती प्रतिष्ठा इस परिवर्तन का संकेत है। होली जैसे पर्व विश्वभर में भारतीय संस्कृति की पहचान बन रहे हैं। यदि इन्हें शालीनता, पर्यावरण-संवेदनशीलता और आध्यात्मिक चेतना के साथ प्रस्तुत किया जाए, तो यह भारत की सॉफ्ट पावर को और सुदृढ़ कर सकते हैं। यह समय है जब हम अपने त्योहारों को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखकर उन्हें सांस्कृतिक कूटनीति और सामाजिक जागरण का माध्यम बनाएं। नई विश्व-व्यवस्था में जहाँ तकनीकी प्रगति के साथ मानसिक तनाव और सामाजिक दूरी भी बढ़ रही है।

ललित गर्ग

जीवन के सम्यक विकास के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण आवश्यक

विज्ञान मानव को जीवन जीने की एक दृष्टि देता है। चिंतन की आधारभूमि भेंट कर चलने को उजास भरा पथ प्रदान करता है। वास्तव में विज्ञान जीवन से जडता, अविद्या, अंधविश्वास, अतार्किता एवं संशय से मुक्ति का नाम है। विज्ञान व्यक्ति को तर्कशील एवं प्रयोगधर्मी बनाकर सवाल खड़े करने की सामर्थ्य पैदा करता है। विज्ञान मानवीय मेधा का उच्चतम आदर्श है। वसुधा के सौंदर्य को अक्षुण्ण बनाये रखते हुए प्राणिमात्र के लिए प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपभोग का मार्गदर्शन ही विज्ञान है। विज्ञान में समस्या है तो समाधान भी, कल्पना है तो प्रयोग भी। सवाल हैं तो उत्तरों की तह तक पहुंच सत्य का साक्षात्कार करने का सत्संकल्प भी। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के माध्यम से हम इस भाव एवं चेतना को सिंचित कर समृद्ध करते हैं। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् एवं विज्ञान मंत्रालय द्वारा युवाओं एवं बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं विज्ञान अध्ययन के प्रति रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से 1986 से प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी, 1928 को ही सी.वी. रमन ने लोक सम्मुख अपनी विश्व प्रसिद्ध खोज 'रमन प्रभाव' की घोषणा की थी। 'रमन प्रभाव' के लिए ही 1930 में सी.वी. रमन को नोबेल पुरस्कार मिला था। सी.वी. रमन एशिया के पहले भौतिक शास्त्री थे जिन्हें नोबेल पुरस्कार मिला है। अमेरिकन केमिकल सोसायटी ने 1998 में 'रमन प्रभाव' को अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान के इतिहास की एक युगान्तकारी घटना के रूप में स्वीकार किया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वास्तव में 'रमन प्रभाव' के स्मरण के साथ ही मानव जीवन के सम्यक विकास के लिए वैज्ञानिक चिंतन एवं दृष्टिकोण अपनाने का दिन है, जिसकी हमें जरूरत है। चंद्रशेखर वेंकटरमन का जन्म 7 नवम्बर, 1888 को तमिलनाडु में कावेरी के तट पर स्थित तिरुचिरापल्ली नामक स्थान पर एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। आपकी माता पार्वती अम्मा कुशल गृहिणी एवं पिता चन्द्रशेखर भौतिकशास्त्र एवं गणित के प्राध्यापक थे। घर पर एक समृद्ध लघु पुस्तकालय था तो तार वाद्ययंत्रों का संचय भी। संगीत में रुचि के चलते वीणा वादन पिता जी की नित्य साधना थी। वीणा के तारों के कम्पन से निकली मधुर ध्वनि बालक रमन को अपनी ओर खींचती।

प्रमोद दीक्षित मलय

यदि पाठ्यक्रम से ...

सौरभ वार्ष्णेय

एनसीईआरटी किताबें राजनीति से कब दूर होंगी ?

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एक स्वायत्त संगठन है, जिसकी स्थापना वर्ष 1961 में भारत सरकार द्वारा की गई थी। इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य गुणात्मक शैक्षिक विकास के लिए नीतियों और कार्यक्रमों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता और सलाह देना था। स्कूली शिक्षा से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान करना, उसे बढ़ावा देना और समन्वय करना; मॉडल पाठ्य पुस्तकों, पूरक सामग्री, समाचार पत्र, पत्रिकाओं को तैयार और प्रकाशित करना तथा शैक्षिक किट, मल्टीमीडिया डिजिटल सामग्री आदि का निर्माण करना, शिक्षकों के सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण का आयोजन करना आदि इसकी संघटक इकाइयों के प्रमुख उद्देश्य हैं लेकिन यह राजनीति से कब दूर होंगी। हाल ही में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' से जुड़े अंश को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है हालांकि यह विवाद नया नहीं है वरन पुरानी बोतल में नई शराब है। सवाल यह है कि क्या विद्यार्थियों को न्यायपालिका की कमियों और चुनौतियों से अवगत कराना चाहिए, या ऐसी सामग्री संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुँचाती है? यह बहस केवल एक अध्याय या पैराग्राफ तक सीमित नहीं है बल्कि लोकतांत्रिक पारदर्शिता, शिक्षा की स्वतंत्रता और संस्थागत जवाबदेही जैसे बड़े मुद्दों से जुड़ी है। भारत का लोकतंत्र तीन स्तंभों—विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका—पर टिका है। इनमें न्यायपालिका को अंतिम संरक्षक माना जाता है। ऐसे में यदि पाठ्यपुस्तकों में न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार की आशंका या उदाहरणों का उल्लेख होता है तो कुछ लोगों को यह संस्थान की छवि पर आघात जैसा लगता है। लेकिन दूसरी ओर, लोकतंत्र का मूल तत्व ही यह है कि किसी भी संस्था को आलोचना और समीक्षा से परे नहीं रखा जा सकता। शिक्षा का उद्देश्य केवल संस्थाओं का महिमामंडन करना नहीं बल्कि छात्रों में आलोचनात्मक सोच विकसित करना भी है। यदि इतिहास, राजनीति विज्ञान या समाजशास्त्र की किताबों में केवल आदर्श चित्र ही दिखाया जाए और वास्तविक चुनौतियों पर पर्दा डाल दिया जाए, तो विद्यार्थी अधूरी समझ के साथ बड़े होंगे। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोप कोई कल्पना नहीं, बल्कि समय-समय पर सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा रहे हैं। पारदर्शिता और आत्ममंथन से ही संस्थाएं मजबूत होती हैं।

हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि ऐसे विषयों को संतुलित और तथ्यात्मक ढंग से प्रस्तुत किया जाए। सनसनीखेज भाषा या एकतरफा दृष्टिकोण से छात्रों के मन में अविश्वास का भाव पैदा हो सकता है। इसलिए पाठ्यपुस्तकों में यदि 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' जैसे विषय शामिल हों, तो उनके साथ सुधारात्मक कदमों, न्यायिक जवाबदेही की व्यवस्थाओं और संस्थागत सुधारों का भी उल्लेख होना चाहिए। इस विवाद के पीछे व्यापक प्रश्न यह है कि क्या हम अपनी लोकतांत्रिक संस्थाओं को इतना परिपक्व मानते हैं कि वे आलोचना सह सकें? यदि हां, तो पाठ्यपुस्तकों में चुनौतियों का उल्लेख लोकतंत्र की मजबूती का संकेत होना चाहिए, न कि कमजोरी का।

अंततः, समाधान संतुलन में है—न तो संस्थाओं की अंधभक्ति और न ही अनावश्यक अविश्वास। शिक्षा का दायित्व है सच को तथ्यात्मक, जिम्मेदार और संतुलित रूप में प्रस्तुत करना। तभी आने वाली पीढ़ी लोकतंत्र को समझेगी, प्रश्न पूछेगी और उसे बेहतर बनाने में अपनी भूमिका निभाएगी। वहीं की पाठ्यपुस्तकों से 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' संबंधी कुछ अंशों को हटाने या संशोधित करने को लेकर बहस तेज हो गई है। शिक्षा जगत, राजनीतिक दलों और अभिभावकों के बीच यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या छात्रों को संस्थाओं की कमजोरियों से अवगत कराना चाहिए या केवल आदर्श तस्वीर ही प्रस्तुत की जानी चाहिए? पाठ्यपुस्तकें केवल जानकारी का माध्यम नहीं बल्कि सोचने की दिशा भी तय करती हैं। अगर किसी पुस्तक में न्यायपालिका की भूमिका, उसकी स्वतंत्रता और उसके सामने आने वाली चुनौतियों—जैसे भ्रष्टाचार—का उल्लेख होता है, तो वह विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक संस्थाओं की जटिलता समझने में मदद करता है। भारत जैसे लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट इंडिया और उच्च न्यायालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन संस्थाओं की गरिमा अक्षुण्ण रहनी चाहिए, लेकिन उनकी आलोचना या समस्याओं पर विमर्श भी लोकतंत्र का हिस्सा है। किसी भी संस्था में भ्रष्टाचार का उल्लेख करना उस संस्था को बदनाम करना नहीं बल्कि सुधार की संभावना को स्वीकार करना है। यदि पाठ्यक्रम से ऐसे संदर्भ हटा दिए जाते हैं, तो छात्रों के सामने अधूरा चित्र प्रस्तुत होता है। हालांकि यह भी सच है कि भाषा संतुलित और प्रमाण आधारित होनी चाहिए। किसी सामान्यीकरण या अतिरंजना से बचना आवश्यक है ताकि विद्यार्थियों में संस्थाओं के प्रति अविश्वास न पनपे। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सबसे बड़ी ताकत होती है। न्यायपालिका स्वयं भी समय-समय पर आत्ममंथन और सुधार की आवश्यकता स्वीकार करती रही है।

केजरीवाल और...

डॉ घनश्याम बादल

शराब नीति घोटाला कांड: सवाल खड़े करता महत्वपूर्ण फैसला

अदालत ने सीबीआई को फटकार लगाते हुए आपके अध्यक्ष एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मनीष सिसोदिया एवं अन्य सभी अभियुक्तों को शराब घोटाला कांड से ससम्मान बरी कर दिया है. हालांकि इस फ़ैसले के ख़िलाफ़ सरकार फिर से अदालत में जाएगी लेकिन न्यायालय के इस फैसले ने कई सवाल तो खड़े कर ही दिए हैं। फैसले का यह दिन भारतीय लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था के इतिहास में एक ऐसा दिन बन गया है जिसे सिर्फ एक अदालती फ़ैसले के रूप में नहीं बल्कि पूरी न्यायिक-राजनीतिक प्रणाली के आईने के रूप में देखा जाएगा। शराब नीति घोटाला कांड में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया सहित अन्य आरोपियों को अदालत द्वारा आरोपों से मुक्त किया जाना उस व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिह्न है जिसने वर्षों तक इस मामले को "सबसे बड़े भ्रष्टाचार घोटालों में से एक" बनाकर देश के सामने पेश किया। आज जब अदालत ने साफ़ शब्दों में कहा कि अभियोजन पक्ष के पास ठोस प्रमाण नहीं हैं तो सवाल सिर्फ यह नहीं है कि निर्दोष छूट गए. सवाल यह है कि इतने वर्षों तक देश को किस आधार पर गुमराह किया गया? यह फैसला उस न्याय प्रणाली की भी असलियत को उजागर करता है जो कागज़ों पर तो स्वतंत्र है लेकिन व्यवहार में अक्सर सत्ता के दबाव, राजनीतिक एजेंडों और संस्थागत प्रभावों से मुक्त नहीं दिखती। अक्सर जांच एजेंसियाँ कमजोर चार्जशीट, अधूरे सबूत और राजनीतिक कथानकों के सहारे किसी मामले को खड़ा करती हैं तो न्यायपालिका को अंततः वही करना पड़ता है जो आज हुआ। मामला ढह जाता है लेकिन इस ढहने से पहले जो राजनीतिक, सामाजिक और मानसिक नुक़सान होता है, उसकी भरपाई कोई अदालत नहीं कर पाती। वर्षों तक किसी व्यक्ति को "भ्रष्टाचार का प्रतीक" बनाकर पेश करना, उसके चरित्र, उसकी राजनीति और उसकी सामाजिक छवि को कुचल देना, और अंत में कहना कि "सबूत नहीं थे" यह सिर्फ न्यायिक विफलता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विफलता का एक हास्यास्पद रूप है। यह पूरा प्रकरण बताता है कि आज का भारत सिर्फ चुनावी लोकतंत्र नहीं, बल्कि पक्षपाती एवं स्वार्थ पूर्ण राजनीतिक अभियोजन के दौर से गुज़र रहा है, जहाँ कानून सत्ता का औज़ार बनता जा रहा है। विरोध की राजनीति को ख़त्म करने के लिए जांच एजेंसियाँ सबसे प्रभावी हथियार बन चुकी हैं। ऐसे में यदि ई डी या सीबीआई जैसी संस्थाओं को सरकारी तोता कहा जाता है तो फिर इसमें ग़लत क्या है ? ऊपर से अति सक्रिय मीडिया की वजह से मनगढ़ंत आरोप, छापे, गिरफ्तारियाँ, चार्जशीट, मीडिया ट्रायल सब मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं जिसमें अदालत का अंतिम फैसला आने से पहले ही व्यक्ति को "अपराधी" घोषित कर दिया जाता है। जनता के मन में दोष सिद्ध हो चुका होता है, भले ही कानून उसे निर्दोष घोषित कर दे लेकिन उसकी गंवाई गई प्रतिष्ठा, पैसा, सत्ता या इज्जत फिर लौटकर नहीं आती। आज का फैसला इसी मानसिकता पर करारा तमाचा है। केजरीवाल और सिसोदिया का यह मामला केवल एक पार्टी या दो नेताओं तक सीमित नहीं है। यह उस पूरे राजनीतिक ढांचे को बेनकाब करता है।

जरा हटके

पाकिस्तान की...

राजेश कुमार पासी

पाकिस्तान को उसके पापों की सजा मिल रही है

इस समय पाकिस्तान चारों तरफ से घिरा हुआ महसूस कर रहा है. उसे समझ नहीं आ रहा है कि वो इससे कैसे बाहर निकले। जिस तालिबान को उसने पाल-पोस कर बड़ा किया, आज वही उसकी छाती पर चढ़ा हुआ है। देखा जाए तो इसके लिए भी पाकिस्तान ही जिम्मेदार है। अफगानिस्तान से रूस को बाहर निकालने के लिए अमेरिका की मदद से अफगान लड़ाकों की फौज तैयार की गई थी जिन्हें बाद में तालिबान का नाम दिया गया। तालिबान की फौज तैयार करने के नाम पर पाकिस्तान की सेना ने अमेरिकी फण्ड की जबरदस्त लूट की है। ऐसा लगता है कि उसने उस समय ही यह तय कर लिया था कि आगे चलकर वो इन लड़ाकों का इस्तेमाल भारत के खिलाफ करेगा। देखा जाए तो तालिबान का निर्माण पाकिस्तान की लंबी रणनीति का हिस्सा था। 1989 में जब रूस अफगानिस्तान को छोड़कर चला गया तो तालिबान का अफगानिस्तान पर कब्जा हो गया। पाकिस्तान की तालिबान को लेकर बनाई गई रणनीति सफल हो गई क्योंकि अपने पहले शासनकाल में तालिबान पाकिस्तान की कठपुतली बना रहा। कंधार हाइजैक की घटना के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादियों को मुक्त करवाने में तालिबान ने पाकिस्तान की बड़ी मदद की थी। पूरा कांड करके भी पाकिस्तान तटस्थ बना रहा जैसे उसने कुछ किया ही न हो। अमेरिका पर 9/11 के हमले के बाद सारी परिस्थितियां बदल गई जब अफगानिस्तान पर हमला करने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद मांगी। जिस तालिबान को पाकिस्तान ने अपने प्रॉक्सी की तरह पाला-पोसा था, अमेरिका के लिए उसके खिलाफ ही जंग में उतरना पड़ा। 20 साल बाद अमेरिका ने अफगा-निस्तान छोड़ दिया तो तालिबान एक बार फिर वहां सत्ता में आ गया । 2021 में जब तालिबान सत्ता में आया तो पाकिस्तान में जश्न मनाया गया और इसे अफगानिस्तान की आज़ादी कहा गया। पाकिस्तान के एक मंत्री ने बयान दिया था कि अब तालिबान भारत से कश्मीर छीनकर पाकिस्तान को देंगे। इससे साफ हो गया

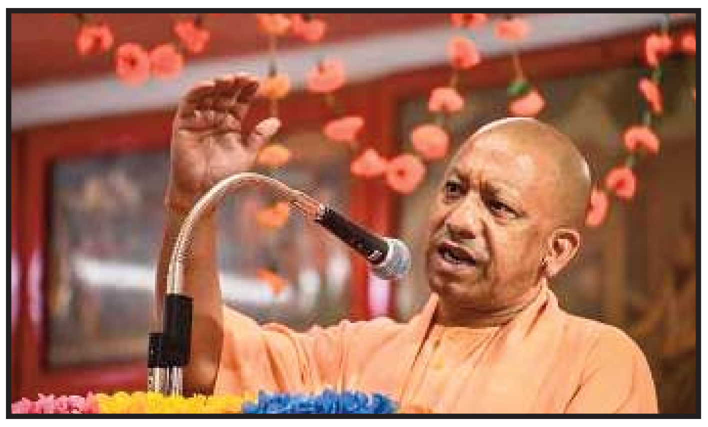

कि पाकिस्तान एक बार फिर तालिबान की मदद से भारत में आतंकवाद की आग भड़काने की कोशिश करेगा। कई रक्षा विशेषज्ञ भी मानते थे कि पाकिस्तान तालिबान लड़ाकों को भारत में आतंकवाद फैलाने के लिए भेज सकता है। तालिबान की कट्टरता और जिहादी रवैये को देखते हुए, इसकी संभावना भी थी। तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद उसका बदला हुआ चेहरा सामने आया । वास्तव में तालिबान पाकिस्तानी धोखे को भूला नहीं था कि अमेरिका ने पाकिस्तानी धरती से ही उसके ऊपर बम बरसाए थे। तालिबान को याद रहा कि पाकिस्तानी सेना की मदद से ही अमेरिका ने उसके हज़ारो लड़ाकों को मारा था और अफगानिस्तान को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया था। तालिबान ने सत्ता में आने के कुछ दिन बाद ही यह बयान दिया था कि भारत को वो अपना दुश्मन नहीं मानता और वो किसी दूसरे की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार नहीं है। तालिबान ने कहा कि वो अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल आतंकवाद के लिए नहीं होने देगा। इसके अलावा भारत के लिए तालिबान का सबसे महत्वपूर्ण बयान यह था कि उसका कश्मीर समस्या से कोई लेना-देना नहीं है। भारत कई महीनों तक तालिबान से दूरी बनाए रखते हुए अफगानी जनता की मदद करता रहा। जब दुनिया तालिबान से वार्ता करने लगी तो भारत ने भी धीरे-धीरे उसके साथ बातचीत शुरू कर दी। वास्तव में ये नया तालिबान है जो लंबे समय तक अफगानिस्तान पर राज करने के लिए आया है । ये तालिबान आतंकवाद से दूर रहना चाहता है, बेशक अपनी रक्षा के लिए जिहाद जारी रखे हुए है । 2021 में तालिबान के सत्ता में आने से पहले भारत अफगानिस्तान के विकास में बड़ी मदद कर रहा था, तालिबान चाहता है कि भारत वो मदद जारी रखे, इसलिए वो भारत से अच्छे रिश्ते बनाने की कोशिश में है। पाकिस्तान की यही समस्या है कि वो तालिबान का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। इसके विपरीत पाकिस्तान का सिरदर्द बने आतंकवादी संगठन 'टीटीपी' को तालिबान की मदद मिल रही है। तालिबान का कहना है कि उसका टीटीपी से कोई संबंध नहीं है. वो तो पाकिस्तान का संगठन है। दूसरी तरफ टीटीपी आतंकवादी पाकिस्तान में हमला करके अफगानिस्तान में चले जाते हैं। पाकिस्तान चाहता है कि तालिबान टीटीपी के खिलाफ कार्यवाही करे लेकिन तालिबान इसके लिए तैयार नहीं है। देखा जाए तो टीटीपी दोनों देशों के संबंधों के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। तालिबान के अफगानिस्तान की सत्ता में दूसरी बार लौटने के बाद से दोनों देशों के बीच 70 से ज्यादा झड़पें हो चुकी हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह तालिबान और बलोच लड़ाके हैं। ये दोनों पाकिस्तान में हमला करने के बाद सीमा पार करके अफगानिस्तान में चले जाते हैं। इसके अलावा दोनों देशों को विभाजित करने वाली डुरंड रेखा को लेकर भी विवाद है। तालिबान डुरंड रेखा को नहीं मानता है, इसलिए भी दोनों देशों के बीच तनाव बना रहता है। इस समय दोनों देशों के बीच एक खुला युद्ध शुरू हो गया है जो एक झड़प से आगे निकल गया है। ये ताजा मामला भी टीटीपी के हमले से जुड़ा हुआ है जिसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने 26 फरवरी की रात अफगानिस्तान में घुसकर एयर स्ट्राइक कर दी थी। तालिबान का दावा है कि इस हमले में सिर्फ बच्चे और महिलाएं मारे गए हैं जबकि पाकिस्तान का दावा है कि सिर्फ तालिबानी लड़ाके मारे गए हैं। अफगानी लोग मर्दों की हत्या बर्दाश्त कर लेते हैं लेकिन बच्चों और महिलाओं की हत्या को माफ नहीं करते। तालिबान ने कहा था कि वो इस हमले का जवाब जरूर देगा और उसने ऐसा कर दिया है। 27 तारीख को पाकिस्तानी सीमा पर बड़ा हमला कर दिया, जिसमें उसने पाकिस्तानी सेना की दर्जनों चौकियों को बर्बाद करने का दावा किया है। तालिबान ने 55 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा किया है और कहा है कि उसने कई सैनिकों को बंदी भी बना लिया है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इस हमले के जवाब में एक बार फिर अफगानिस्तान पर एयर स्ट्राइक कर दी है। देखा जाए तो दोनों तरफ से हमले शुरू हो गए हैं। तालिबान की समस्या यह है कि उसके पास वायुसेना नहीं है और न ही एयर डिफेंस सिस्टम है । इसका फायदा उठाकर पाकिस्तान अफगानिस्तान पर बम बरसा रहा है।

रणजी चैंपियन बनने के करीब पहुंचा जम्मू-कश्मीर

कर्नाटक के खिलाफ 5वें दिन कामरान इकबाल का शतक, टीम ने 576 रन की बढत बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर रणजी ट्रॉफी में इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गया है। कर्नाटक के खिलाफ फाइनल के पांचवें दिन लंच तक टीम ने 576 रन की बढ़त बना ली। कामरान इकबाल के शतक की मदद से जम्मू ने अपनी दूसरी पारी में लंच सेशन तक 4 विकेट खोकर 285 रन बना लिए हैं। हुबली में जम्मू-कश्मीर ने पहली पारी में 291 रन की बढ़त बना ली थी। आखिरी दिन अगर मुकाबला ड्रॉ भी रह गया तो जम्मू की टीम पहली पारी में बढ़त के आधार पर पहली बार रणजी चैंपियन बन जाएगी। टीम 8 बार की विजेता कर्नाटक को हराने के करीब है। गुरुवार को मुकाबले के पहले दिन जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर बैटिंग चुन ली। यावर हसन ने 88, शुभम पुंदीर ने 121, कप्तान पारस डोगरा ने 70, अब्दुल समद ने 61, विकेटकीपर कन्हैया वाधवान ने 70 और साहिल लोत्रा ने 72 रन बनाकर टीम को 584 तक पहुंचा

यावर हसन और शुभम पुंदीर ने पहली पारी में सेंचुरी पार्टनरशिप कर जम्मू-कश्मीर को बढ़त दिलाई।

दिया। जम्मू कश्मीर ने ढाई दिन बैटिंग की और कर्नाटक के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाया। होम टीम के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 विकेट लिए। विद्याधर पाटील, विजयकुमार वैशाख, श्रेयस गोपाल और शिखर शेट्टी ने 1-1 विकेट लिया। एक बैटर रन आउट भी हुआ। ग्रुप स्टेज में जम्मू कश्मीर ने 3 मैच जीते और 3 मुकाबले ड्रॉ खेलकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ग्रुप में टीम को इकलौती हार मुंबई के खिलाफ मिली। क्वार्टर फाइनल में टीम ने इंदौर में होम टीम मध्य प्रदेश को 56 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। सेमीफाइनल में फिर बंगाल को 99 पर ऑलआउट किया और 6 विकेट से मुकाबला जीत लिया। अब फाइनल में टीम कर्नाटक को हराने के करीब है। कर्नाटक ने भी ग्रुप-बी में 3 ही मुकाबले जीते और 3 ड्रॉ खेले। टीम को इकलौती हार टेबल टॉपर मध्य प्रदेश के खिलाफ मिली थी।

कर्नाटक से मयंक अग्रवाल का शतक

584 के सामने कर्नाटक की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 57 रन पर 4 विकेट गंवा दिए। केएल राहुल 13 और कप्तान देवदत्त पडिक्कल 11 रन बनाकर आउट हुए। करुण नायर और रविचंद्रन स्मरण खाता भी नहीं खोल सके। पूर्व कप्तान मयंक अग्रवाल ने फिर श्रेयस गोपाल और कृतिक कृष्णा के साथ पारी संभाली। हालांकि, दोनों के आउट होते ही कर्नाटक की पारी बिखर गई। अग्रवाल 160 रन बनाकर आउट हुए, उनके जाते ही टीम 293 रन पर सिमट गई। इस तरह जम्मू-कश्मीर को पहली पारी में 291 रन की बढ़त मिल गई। टीम से तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 5 विकेट लिए। सुनील कुमार और युद्धवीर सिंह चरक को 2-2 विकेट मिले।

5वें दिन कामरान के शतक से जम्मू आगे हुआ

जम्मू-कश्मीर ने 5वें और आखिरी दिन 186/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। कामरान इकबाल ने शतक लगाया और टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। लंच सेशन तक टीम ने 4 विकेट खोकर 262 रन बना लिए। कामरान 124 और साहिल लोत्रा 80 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। दोनों ने सेंचुरी पार्टनर-शिप कर ली। टीम ने 576 रन की बढ़त बना ली है। शुक्रवार को मुकाबले के चौथे दिन टीम ने 4 विकेट गंवा दिए। यावर हसन 1, शुभम पुंदीर 4, कप्तान पारस डोगरा 16 और अब्दुल समद 32 रन बनाकर आउट हुए। कर्नाटक से प्रसिद्ध कृष्णा 2 विकेट ले चुके हैं। विजयकुमार वैशाख और श्रेयस गोपाल को 1-1 विकेट मिला।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बनेगा रवि शास्त्री स्टैंड

गावस्कर और सचिन के स्टैंड पहले से बने, 3 दिग्गजों का सम्मान भी होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री के नाम पर मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड बनेगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) ने फैसला किया है कि ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में अब एक स्टैंड का नाम रवि शास्त्री के नाम पर होगा। यह सम्मान किसी भी क्रिकेटर के लिए बहुत बड़ी बात होती है, और अब शास्त्री भी सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर जैसे महान खिलाड़ियों की खास लिस्ट में शामिल हो जाएंगे। स्टेडियम में भारत के पूर्व क्रिकेटर दिलिप सरदेसाई, एकनाथ सोलकर और डायना एडल्जी के नाम 3 दरवाजों के नाम भी रखे जाएंगे। एडल्जी ने 1978 और 1993 के विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भारत की कप्तानी की थी। रवि शास्त्री का मुंबई क्रिकेट से बहुत पुराना और गहरा रिश्ता रहा। उन्होंने न केवल भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया, बल्कि घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम की कप्तानी भी की। MCA के अधिकारियों

का कहना है कि शास्त्री ने एक खिलाड़ी, कप्तान और बाद में भारतीय टीम के कोच के रूप में क्रिकेट जगत में जो योगदान दिया, उसे देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है। शास्त्री के नाम पर स्टैंड रखने की एक खास वजह वानखेड़े का वह ऐतिहासिक मैच भी है, जिसमें उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ एक ही ओवर में 6 छक्के जड़े थे। यह कारनामा करने वाले वह पहले भारतीय बल्लेबाज बने थे। इसके अलावा, 1985 की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट में उन्हें 'चैंपियन ऑफ चैंपियंस' चुना गया था।

फास्ट न्यूज

केरल हाईकोर्ट से 'द केरल स्टोरी 2' को राहत

मुंबई। केरल हाईकोर्ट ने फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज पर लगी रोक को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सिंगल जज के उस अंतरिम आदेश पर दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी है, जिसमें फिल्म की रिलीज 15 दिनों के लिए स्थगित की गई थी। कोच्चि में शुक्रवार को जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस पी. वी. बालकृष्णन की खंडपीठ ने यह आदेश फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की अपील पर सुनाया।

'स्पिरिट' से विवेक ओबेरॉय का खतरनाक फर्स्ट लुक जारी

नई दिल्ली। साउथ के सुपरस्टार प्रभास की अपकमिंग फिल्म 'स्पिरिट' से बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबेरॉय का पहला लुक आज जारी किया गया, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इस दमदार पोस्टर को शेयर करते ही सोशल मीडिया पर फैंस की प्रतिक्रियाओं का हुजूम देखने को मिला, जिसमें कई लोग फिल्म को 1000 करोड़ क्लब तक पहुंचते देखने की बात कह रहे हैं। फिल्म के मेकर्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर विवेक के किरदार का पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह एक कटर सिंगर और स्टाइलिश लुक में दिखाई दे रहे हैं। लॉन्ग कोट, धूम्रपान करते हुए सिगार और हाथ में तलवार लिए विवेक का यह अवतार काफी ग्रिट्टी और इंटेंस लगता है, जो कि दर्शकों में एक अलग ही उत्साह भर रहा है।

कनाडाई पीएम 4 दिन के दौरे पर भारत पहुंचे

नई दिल्ली/ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी आज 4 दिन के दौरे पर भारत पर पहुंच गए हैं। इस दौरे का मकसद भारत और कनाडा के बीच व्यापार, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में नए साझेदारी को मजबूत करने पर फोकस करना है। प्रधानमंत्री के तौर पर मार्क कार्नी का यह पहला भारत दौरा है। कनाडा में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कार्नी मुंबई में बिजनेस लीडर्स से मुलाकात करेंगे।

देश में जल्द बनेगा नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड

हेल्थ इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र के लेबर मिनिस्टर आकाश फुंडकर ने विधानसभा में जानकारी दी है कि केंद्र सरकार जल्द ही गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए 'नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड' का गठन करने जा रही है। इस बोर्ड के जरिए डिलीवरी पार्टनर्स और फ्रीलांसर्स को हेल्थ केयर, इंश्योरेंस और फैमिली वेलफेयर जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। अब तक इन वर्कर्स को केवल बिजनेस पार्टनर माना जाता था, लेकिन नए कोड के तहत उन्हें पहली बार औपचारिक 'वर्कर' का दर्जा दिया गया है। मंत्री आकाश फुंडकर ने प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक हेमंत ओगले और बीजेपी के अतुल भातख-लकर के सवालों का जवाब देते हुए

कहा कि केंद्र सरकार ने सोशल सिक्योरिटी कोड को लागू कर दिया है। यह कोड नवंबर 2025 से प्रभावी हो चुका है। इसमें पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स की स्थिति को बताया गया है। अब तक इन्हें केवल डिलीवरी-बेस्ड पेमेंट पर काम करने वाले इंडिपेंडेंट कांट्रेक्टर के रूप में देखा जाता था। फुंडकर ने एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड के अस्तित्व में आते ही राज्यों के अपने कानून लैप्स (समाप्त) हो जाएंगे। फिलहाल राजस्थान और कर्नाटक जैसे राज्यों ने गिग वर्कर्स के कल्याण के लिए अपने स्तर पर कानून बनाए हैं। केंद्र के निर्देशानुसार, अब सभी राज्यों को केंद्रीय सोशल सिक्योरिटी कोड के प्रावधानों का ही पालन करना होगा। मंत्री ने सदन को बताया कि कोविड-19 महामारी के बाद से मुंबई की चार NTC मिलें पूरी तरह बंद हैं। इन मिलों के श्रमिक संगठनों ने वेतन और अन्य बकाये के लिए औद्योगिक अदालत और हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब राज्य सरकार और केंद्र मिलकर इसका समाधान निकाल रहे हैं ताकि हजारों परिवारों को राहत मिल सके।

रेजिडेंशियल प्लॉट पर पैथोलॉजी लैब चलाने का आरोप, 15 दिन में मांगा जवाब

धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड का नोटिस

रांची, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड ने नोटिस जारी किया है। मामला रांची के हरमू इलाके में स्थित H-10A आवासीय प्लॉट से जुड़ा है। बोर्ड का आरोप है कि यह प्लॉट केवल आवासीय उद्देश्य से आवंटित किया गया था, लेकिन वर्तमान में वहां कथित तौर पर एक पैथोलॉजी लैब संचालित की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह आवंटन की शर्तों का उल्लंघन है।नोटिस में धोनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट का आवंटन रद्द करने की सिफारिश की जा सकती है। अब सबकी नजर उनके जवाब पर टिकी है।

यदि हाउसिंग बोर्ड को उनका जवाब संतोषजनक नहीं लगा, तो आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। बोर्ड का उद्देश्य आवंटन की शर्तों को सख्ती से लागू करना है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने धोनी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें झारखंड का गौरव बताया था।

सूत्रों के अनुसार, हाउसिंग बोर्ड ने हाल के दिनों में ऐसे कई मामलों की समीक्षा शुरू की है, जिनमें आवासीय प्लॉट का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है।

15 दिनों में देना होगा जवाब, जवाब पर कार्रवाई निर्भर

नोटिस में महेंद्र सिंह धोनी को 15 दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है। उनके स्पष्टीकरण के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। जानकारी के मुताबिक, धोनी फिलहाल हरमू स्थित इस मकान में नहीं रहते हैं। उन्होंने रिंग रोड पर अपना फार्महाउस बना रखा है और रांची प्रवास के दौरान वहीं ठहरते हैं। अब सबकी नजर उनके जवाब पर टिकी है। यदि हाउसिंग बोर्ड को उनका जवाब संतोषजनक नहीं लगा, तो आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। बोर्ड का उद्देश्य आवंटन की शर्तों को सख्ती से लागू करना है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने धोनी की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें झारखंड का गौरव बताया था।

यामी गौतम ने देख ली धुरंधर 2 !

बोलीं- ये ऐसा अनुभव है जिसे लोग कभी नहीं भूल पाएंगे, फिल्म देखकर भावुक हो गई

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले पार्ट की सफलता के बाद से ही फिल्म के दूसरे भाग का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था, और अब 19 मार्च को इसकी रिलीज की आधिकारिक पुष्टि के साथ ही फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। इस बीच फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी और अभिनेत्री यामी गौतम ने फिल्म को लेकर बड़ा बयान देकर चर्चा को और तेज कर दिया है। एक मीडिया बातचीत के दौरान यामी गौतम ने खुलासा किया कि वह 'धुरंधर 2' देख चुकी हैं और फिल्म ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उनकी अपेक्षाओं से कहीं बढ़कर है और इसे देखकर वह भावुक हो गई थीं। यामी के अनुसार, फिल्म का अनुभव इतना प्रभावशाली था कि वह कुछ समय तक किसी अन्य काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाईं।

" जब यामी गौतम से फिल्म की रिलीज और इससे जुड़े अन्य पहलुओं पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि फिल्म से संबंधित आधिकारिक जानकारी निर्देशक आदित्य धर ही साझा करेंगे। हालांकि उन्होंने यह जरूर संकेत दिया कि 19 मार्च को उनका सिनेमा हॉल में एक 'जरूरी अपॉइंटमेंट' है।

दर्शकों के लिए खास अनुभव बनने का दावा

फिल्म को लेकर यामी गौतम का दावा है कि 'धुरंधर 2' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जिसे दर्शक लंबे समय तक याद रखेंगे। फिल्म की कहानी, निर्देशन और अभिनय को लेकर पहले से ही सकारात्मक माहौल बन चुका है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि 19 मार्च को रिलीज के बाद फिल्म दर्शकों और बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन करती है।

बॉक्स ऑफिस पर होगा बड़ा क्लैश

फिल्म की रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर बड़ा मुकाबला भी देखने को मिलेगा। 'धुरंधर 2' का क्लैश अभिनेता यश की बहुप्र-तीक्षित फिल्म टॉक्सिक से होगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर यह टक्कर बेहद दिलचस्प रहने की संभावना है।

एकता कपूर से मिलीं बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल

इंस्टाग्राम पर शेयर की वीडियो, बोलीं- मैं हीरोइन बन जाऊंगी?

मुंबई। बिग बॉस 19 में नजर आ चुकीं तान्या मित्तल ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके साथ एकता कपूर दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो में तान्या ने एकता के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया, वहीं एकता ने भी तान्या की तारीफ की। इस दौरान तान्या, एकता के लिए बकलावा और कई गिफ्ट्स भी लेकर पहुंचीं। तान्या मित्तल ने यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में वह कहती नजर आ रही हैं, किसी ने मुझसे कहा था कि सपने सच नहीं होते, लेकिन मैं आज किसके साथ खड़ी हूं? मैम, आपको मुझसे मिलकर कैसा लगा? इस पर एकता कपूर

जवाब देती हैं, मुझे ऐसा लगा कि तान्या मैंने तो आपको शो के अंदर ही रोल ऑफर कर दिया था। आपको यहां तक आने में थोड़ा वक्त लगा। इसके बाद तान्या पूछती हैं, तो आप मुझे काम दे रहे हो?" एकता कहती हैं, मैं आपको अभी कह रही हूं कि मेरे पास आपके लिए लिखित में ऑफर है। मैं आपके साथ काम करने का इंतजार कर रही हूं। तान्या आगे पूछती हैं, मैं हीरोइन बन जाऊंगी ना? इस पर एकता कहती हैं, हां, बिल्कुल।

खराब मौसम के कारण रनवे से फिसला, हाईवे पर बिखरे नोट उठाने जुटे लोग

बोलिविया में करेंसी से भरा प्लेन क्रैश

ला पाज, एजेंसी

बोलिविया के एल आल्टो शहर में (भारतीय समयानुसार) एक विमान क्रैश हो गया। यह बोलिविया की वायुसेना का हरक्यूलिस विमान था। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। विमान देश के सेंट्रल बैंक के नए नोट लेकर जा रहा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, खराब मौसम के बीच विमान लैंडिंग के बाद रनवे से फिसलकर पास की व्यस्त सड़क पर जा गिरा। जिस सड़क पर यह गिरा, वहां खड़ी 10 से 15 गाड़ियां भी इसके चपेट में आ गई। एयरक्राफ्ट का मलबा, टूटी हुई कारें और लाशें सड़क पर बिखरी नजर आई। सड़क पर बैंक के नोट भी बिखरे नजर आए, जिन्हें उठाने के लिए लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में

15 की मौत | 30 घायल

हादसे के बाद अफरातफरी का माहौल दिखा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि, इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एल

- **लोगों को हटाने के लिए पुलिस को पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।**
- **सड़क पर आस-पास मौजूद लोग बिखरे नोट उठाने के लिए मौके पर जमा हो गए।**
- **हादसे के बाद सड़क पर नोट और विमान का मलबा बिखर गया।**

आल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। राष्ट्रीय एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि दुर्घटनाग्रस्त प्लेन उसके बेड़े का हिस्सा नहीं था, यह बोलिवियन एयर फोर्स का विमान था। स्थानीय मीडिया में प्रसारित फुटेज में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखा। हादसे के बाद प्लेन दो टुकड़ों में बंट गया बोलिविया का सेंट्रल बैंक आज इस घटना पर प्रेस ब्रीफिंग करने वाला है। हादसे के कारणों की आधिकारिक जांच शुरू कर दी गई है। घायलों का इलाज स्थानीय अस्पतालों में जारी है। प्रशासन ने मृतकों की पहचान और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है।

अमेरिकी रक्षा विभाग के नेटवर्क पर ओपन-एआई का इस्तेमाल होगा

नई दिल्ली। सैम ऑल्टमैन की कंपनी ओपन-एआई (OpenAI) और अमेरिकी रक्षा विभाग (DoW) के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। इसके तहत ओपन-एआई अपने कुछ मॉडल्स को पेंटागन के क्लासिफाइड (गोपनीय) नेटवर्क पर तैनात करेगा।

ओपन-एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसकी जानकारी दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओपन-एआई की प्रतिद्वंद्वी कंपनी 'एंथ्रोपिक' (Anthropic) की टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाने का आदेश दिया है।

बता दें कि अमेरिकी सेना चाहती है कि युद्ध और निगरानी के लिए उसे एआई का बिना किसी रोक-टोक के एक्सेस मिले, जिसे एंथ्रोपिक ने अपनी पॉलिसी के खिलाफ बताया था। इसी के चलते सरकार ने ये कदम उठाया है। सैम ऑल्टमैन ने बताया कि रक्षा विभाग के साथ हुए इस समझौते में सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा गया है। उन्होंने कहा कि पेंटागन ने एआई सेफ्टी के प्रति सम्मान दिखाया है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में बढ़त रही

सोना ₹4,000 बढ़कर ₹1.59 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ, चांदी ₹17,000 महंगी हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही। सोना 4 हजार रुपए बढ़कर 1.59 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 20 फरवरी, शुक्रवार को 1,55 लाख रुपए पर था। वहीं चांदी 2.50 लाख किलो से बढ़कर 2.67 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 17 हजार रुपए बढ़ी है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 25,902 रुपए और चांदी 36,280 रुपए महंगी हो चुकी है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग कंपनी UBS के अनुसार सोने की मांग में तेजी बनी हुई है। 2025 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने 863 टन सोना खरीदा था। अब अनुमान है कि 2026 में यह खरीदारी बढ़कर 950 टन तक

पहुंच सकती है। इसके साथ ही, गोल्ड ईटीएफ (ETF) में निवेश भी बढ़कर 825 टन होने की उम्मीद है। UBS को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है। अगर रुपए के हिसाब से बात करें तो सोने का भाव 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। UBS को पूरा भरोसा है कि 2026 में सोने की कीमतें और ऊपर जाएंगी। रिपोर्ट के अनुसार, साल के बीच तक सोना 6,200 डॉलर प्रति औंस के ऊंचे स्तर को छू सकता है। अगर रुपए के हिसाब से बात करें तो सोने का भाव 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोने-चांदी के दाम बढ़ने के 3 मुख्य कारण

दुनिया में टेंशन: मिडिल ईस्ट में अमेरिका-ईरान झगड़ा और रूस-यूक्रेन वार्ता फेल होने से असुरक्षा का माहौल है। लोग गोल्ड में पैसा लगा रहे हैं।

फेड रेट कट की उम्मीद: अमेरिकी फेड से इस साल ब्याज दरें घटाने के संकेत दिए हैं। दरें कम होने पर गोल्ड जैसी चीजों की डिमांड बढ़ जाती है।

सस्ते में खरीदारी: पिछले दिनों दोनों मेटल्स में बड़ी गिरावट के बाद दाम आकर्षक हो गए। निवेशक और ज्वेलर्स ने सस्ते में खरीदना शुरू कर दिया।

साइड टच होने से शीशा टूट गया था, उसका विरोध किया तो रौंदकर भागा ड्राइवर
डंपर से ट्रक क्लीनर को कुचला

तमसा संकेत, एजेंसी

सरोजनी नगर, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। बिजनौर थाना क्षेत्र के किसान पथ पर एक डंपर चालक ने ट्रक क्लीनर को कुचलकर मौत के घाट उतार दिया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई, जबकि पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार घटना शनिवार सुबह करीब 10 बजे की है। मृतक की पहचान संदीप (35) के रूप में हुई है, जो उन्नाव जिले के हसनगंज थाना क्षेत्र के सेमरा गांव का निवासी था। संदीप ट्रक चालक फुरकान के साथ झांसी से कॉपी (कागज सामग्री) लादकर गोरखपुर जा रहा था।बताया जा रहा है कि कानपुर रोड से किसान पथ पर चढ़ने के बाद नटकुर अंडरपास के पास पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक डंपर

(नंबर आरजे 11 जीसी 7531) ने उनके ट्रक के साइड में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से ट्रक का साइड शीशा टूट गया और वाहन को नुकसान पहुंचा। टक्कर के बाद ट्रक क्लीनर संदीप डंपर चालक से बात करने और उसे रोकने के लिए नीचे उतरा। इसी दौरान विवाद बढ़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डंपर चालक ने गुस्से में आकर संदीप के ऊपर ही डंपर चढ़ा दिया और मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल संदीप को तुरंत अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई, लेकिन तब तक उसकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही बिजनौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने डंपर के नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के लिए टीम गठित कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है।

डंपर ड्राइवर ने उतरकर पहले थप्पड़ भी मारे

टक्कर के बाद, क्लीनर संदीप नीचे उतरा और डंपर रुकवाकर चालक का विरोध करने लगा। आरोप है कि डंपर चालक नीचे उतरा और संदीप को दो-तीन थप्पड़ मारे। इसके बाद वह तेजी से अपने डंपर पर चढ़ा और संदीप के विरोध करने के बावजूद उसे रौंदते हुए वाहन सहित किसान पथ से नीचे उतरकर कानपुर रोड की ओर भाग निकला। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 और 108 एंबुलेंस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद संदीप को एंबुलेंस से सरोजनी नगर सीएचसी पहुंचाया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और डंपर नंबर के आधार पर उसके चालक की तलाश कर रही है।

ट्रक ड्राइवर बोला- समझाने उतरा था क्लीनर

ट्रक ड्राइवर फुरकान ने बताया- मैं संदीप के साथ ट्रक से जा रहा था। मेरे ट्रक में डंपर टच होने से शीशा टूट गया। इस पर क्लीनर संदीप नीचे उतरा और डंपर वाले से बात करने लगा। उसे समझाने गया कि आखिर क्यों टक्कर मारी। इस पर डंपर का ड्राइवर नीचे उतरा और संदीप को 2-3 थप्पड़ भी मारे। जब तक मैं वहां पहुंचता तब तक वह फिर से डंपर पर चढ़ा और संदीप को कुचलते हुए चला गया।

भाजपा जनता को धोखा दे रही, बिजली-इलाज सस्ता नहीं कर रही: अखिलेश

कन्नौज दौरे पर सपा प्रमुख का हमला, युवाओं और स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सरकार पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

कन्नौज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा जनता से झूठ बोलती है और बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। शनिवार को कन्नौज के एक दिवसीय दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बिजली और इलाज सस्ता करने में विफल रही है और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में कैंसर और हृदय रोग के मरीजों के लिए पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। दवाएं और इलाज महंगे हो गए हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार मेडिकल कॉलेज और कैंसर संस्थानों की सुविधाओं का विस्तार नहीं कर रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी

सरकार के कार्यकाल में कन्नौज में काऊ मिल्क प्लांट स्थापित किया गया था, जिससे गाय के दूध का उत्पादन बढ़ता और लोगों को शुद्ध दूध मिलता। लेकिन भाजपा सरकार ने इस प्लांट को बंद कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने कन्नौज के विकास की गति रोक दी है। अखिलेश यादव ने कहा कि आलू किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है और वे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण किसान परेशान हैं और युवाओं को रोजगार के लिए भटकना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के रहते हालात और खराब हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कई देशों के साथ फ्री ट्रेड समझौते कर रही है, जिससे देश का बाजार विदेशी सामान से भरता जा रहा है। उनका कहना था कि इससे देश के उद्योग और युवाओं के भविष्य पर असर पड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बुनियादी विकास कार्यों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। सपा प्रमुख ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इसके जरिए लोगों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल न होने पर लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

फास्ट न्यूज

ट्रक की टक्कर से युवक की मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर में शुक्रवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार रात स्कूटर इंडिया - पिपरसंड रोड पर किसान पथ अंडरपास के पास हुई। मृतक की पहचान अभिजीत सिंह उर्फ सत्यम के रूप में हुई। अभिजीत अपनी ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से घर लौट रहा था।

हेड कॉन्स्टेबल के घर चोरी करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस हेड कॉन्स्टेबल के बंद मकान से 25 लाख रुपए के गहने चोरी करने वाले अंतर्जनपदीय गैंग का खुलासा हुआ। पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी का काफी सामान और नकदी बरामद की गई है। आरोपियों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, मूल रूप से प्रतापगढ़ जिले के कोतवाली देहात थाना अंतर्गत सराय आना देव निवासी कृष्ण प्रताप सिंह सरोजनी नगर के अमौसी स्थित गंगानगर में मकान बनाकर परिवार सहित रहते हैं। कृष्ण प्रताप सिंह वर्तमान में अयोध्या में पुलिस हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात हैं। पुलिस का कहना है कि ये तीनों शातिर किस्म के अपराधी हैं। वे घूम-घूमकर बंद घरों की रेकी करते थे और मौका पाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो जाते थे।

चलता ट्रक बना आग का गोला

आगरा। शहर में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा टल गया, जब सड़क पर दौड़ता एक ट्रक अचानक आग का गोला बन गया। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही मिनटों में पूरा ट्रक धू-धूकर जलने लगा। हालांकि समय रहते ड्राइवर ने कूदकर अपनी जान बचा ली, जिससे जनहानि नहीं हुई। थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के शाहदरा चौराहे पर रात करीब 1:30 बजे यह हादसा हुआ।

लखनऊ में मोदी-योगी छाप पिचकारी की धूम

2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से करीब 1 साल पहले होली से माहौल बन रहा है। लखनऊ की दुकानों में पिचकारियां आ गई हैं। इनमें मोदी-योगी छाप और धनुष-बाण छाप पिचकारी की धूम है। गुलाल वाले पटाखे भी आ गए हैं। बच्चों को ये सभी पिचकारियां भा रही हैं। होली की पिचकारी पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ 'हिंदुस्तान की बोली - घर-घर होली' जैसे स्लोगन प्रिंट हैं। पिचकारी में पीएम नरेंद्र मोदी, ब्रह्मोस, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और म्यूजिकल ट्रेंड में हैं। इसके अलावा ऐसी सफेद टीशर्ट आई है जो पानी पड़ते ही रंगीन हो जाएगी। होली के इस खास मौके पर सर्राफा मार्केट भी चहक रहा है। चांदी से बनी पिचकारी, बाल्टी, लड्डू गोपाल, काजू कतली और लड्डू खूब चर्चा में हैं। इस होली पर दिवाली का फील देने के लिए कलर पटाखे लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रंगीन विग के साथ अलग-अलग डिजाइन के फेस मास्क मार्केट में आए हैं। कुल्हड़ अनार, 5 से लेकर 16 शॉट वाला स्मोक पटाखा मिल रहा है। इसके साथ ही तीन फ्लेवर वाला आइसक्रीम पटाखा लोगों को खूब भा रहा है, जिसमें से वैनिला, स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट के तीन रंगों के साथ खुशबू भी फूटती है।

7-क्विंटल नकली खोया और 880 किलो मिठाई पकड़ी

सैंपल लेकर नष्ट किया, पिकअप में भरकर कानपुर से गोरखपुर ले जा रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने शुक्रवार तड़के बंथरा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। टीम ने होली के त्योहार पर खपाने के लिए कानपुर से गोरखपुर ले जाया जा रहा 760 कुंतल से अधिक खोया और 880 किलो मिठाइयां पकड़ीं। जांच के लिए नमूने लेने के बाद खोए को जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्ट कर दिया। एफएसडीए विभाग को गुरुवार रात सूचना मिली थी कि एक छोटा हाथी लोडर वाहन के जरिए कानपुर रोड होते हुए भारी मात्रा में खोया और मिठाइयां कानपुर से गोरखपुर ले जाई जा रही हैं। इस सूचना पर फूड इंस्पेक्टर आजाद और राजेंद्र अपनी टीम के साथ बंथरा थाना क्षेत्र के प्रधान ढाबा के पास पहुंचे। शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे कानपुर

एफएसडीए टीम ने होली के त्योहार पर खपाने के लिए कानपुर से गोरखपुर ले जाया जा रहा 7 कुंतल से अधिक खोया और भारी मात्रा में मिठाइयां पकड़ीं।

से आ रहे लोडर वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन से 7 कुंतल से अधिक खोया और बड़ी मात्रा में बर्फी व मिल्क केक बरामद हुआ। इसके बाद फूड इंस्पेक्टर आजाद कुमार, सत्यवीर सिंह, राजेंद्र और महिला फूड इंस्पेक्टर सुप्रिया की टीम ने वाहन को बंथरा थाने पहुंचाया। वहां खोया, बर्फी और मिल्क केक के नमूने लिए गए। वाहन चालक से पूछताछ में पता चला कि यह माल कानपुर निवासी अमित द्वारा कानपुर से गोरखपुर ले जाया जा रहा था। नमूने लेने के बाद एफए-सडीए टीम ने बंथरा-बिजनौर रोड स्थित कुरौनी गांव के पास सड़क किनारे जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर सारा खोया उसमें दबवा दिया। बरामद बर्फी और मिल्क केक को पास ही एक सुरक्षित जगह पर रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि लिए गए नमूनों की जांच की जाएगी। यदि जांच में खोया, बर्फी या मिल्क केक में किसी प्रकार की मिलावट पाई जाती है।

केजीएमयू में धर्मांतरण कराने वाले डॉ. रमीज के खिलाफ चार्जशीट

लैपटॉप में 500 गंदे वीडियो, लखनऊ पुलिस ने 800 पेज की रिपोर्ट तैयार की

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में धर्मांतरण का दबाव बनाने वाले डॉ. रमीजुद्दीन नायक के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो गई है। पुलिस ने उसके समेत चार लोगों के खिलाफ 800 से ज्यादा पेज की चार्जशीट बनाई है। पुलिस ने चार्जशीट में दो पीड़िताओं के बयान, डिजिटल साक्ष्य और फॉरेंसिक रिपोर्ट को शामिल किया है। डॉ. रमीज ने महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया था, जबरन गर्भपात कराया और धर्मांतरण का दबाव बनाने लगा। आरोपी के पास से बरामद तीन लैपटॉप की फोरेंसिक जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। करीब 12 साल से ज्यादा समय का 4TB (4000 GB) डेटा मिला है, जिसमें 500 से ज्यादा अश्लील वीडियो पाए गए हैं। इन डिजिटल साक्ष्यों को भी चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पढ़ाई के दौरान से ही इस तरह के काम करता रहा है। केजीएमयू के पैथोलॉजी विभाग में तैनात डॉ. रमीजुद्दीन पर महिला डॉक्टर ने शादी का

डॉ. रमीजुद्दीन नायक, आरोपी

झांसा देकर यौन शोषण और मतांतरण का दबाव बनाने का आरोप लगाया था। आरोप है कि मतांतरण से इनकार करने पर उसने शादी से मुकर गया। मानसिक उत्पीड़न से त्रस्त होकर पीड़िता ने आत्महत्या का प्रयास भी किया था। पीड़िता की तहरीर पर चौक कोतवाली में दुष्कर्म, गर्भपात कराने, धमकी देने और मतांतरण सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी खुद को महिलाओं का हमदर्द बताकर उनके करीब पहुंचता था। आर्थिक सहायता और करियर में सहयोग का भरोसा देकर संबंध स्थापित करता और फिर अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें वायरल करने की धमकी देता था।

इस्लाम धर्म छोड़ चुके यूट्यूबर को 14 चाकू मारे

सलीम वास्तिक पर दिनदहाड़े हमला, योगी बोले- दोषियों को बख्शेंगे नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में इस्लाम धर्म छोड़ चुके यूट्यूबर सलीम वास्तिक पर दिनदहाड़े ऑफिस में घुसकर जानलेवा हमला किया गया। पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को बिना नंबर प्लेट की बाइक से आए नकाबपोश हमलावरों ने सलीम पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। गला रेतने की कोशिश की। चीखने पर हमलावर उन्हें अधमरा छोड़कर फरार हो गए। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंचे और परिवार को सूचना दी। परिजन सलीम को अस्पताल ले गए, जहां से उन्हें दिल्ली के गुरु तेग बहादुर अस्पताल (जीटीबी) रेफर कर दिया गया। उनके शरीर पर सीने, पेट, गर्दन, बाजू और पैर में 14 जख्म हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने बेटे की शिकायत पर AIMIM नेता समेत 7 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। घटना पर सीएम योगी ने कहा- कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। यूपी में आतंक की कोई जगह नहीं है। सांसद

सलीम वास्तिक

मनोज तिवारी अस्पताल पहुंचे। वहीं, महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरि के अस्पताल पहुंचने की सूचना पर पुलिस ने उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया सलीम यूट्यूब पर 'सलीम वास्तिक 0007' के नाम से चैनल चलाते हैं। इस्लाम, मदरसों की शिक्षा पर सवाल उठाते हैं। तीन हफ्ते पहले उन्हें वीडियो पोस्ट किया था। कहा था- स्थानीय लोगों के मुताबिक, यूट्यूबर सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक (50) लोनी इलाके के अशोक विहार कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। इलाके में कुछ दूरी पर उनके दो मकान हैं।

12 करोड़ की लैंबोर्गिनी 8 करोड़ में थाने से छूटी

कानपुर। कानपुर में अरबपति कारोबारी केके मिश्रा के बेटे ने जिस 12 करोड़ की लैंबोर्गिनी कार से 6 लोगों को टक्कर मारी थी, वह कार 8.30 करोड़ के बेल बॉन्ड (गारंटी) पर थाने से छूट गई। शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (CJM) सूरज मिश्रा की कोर्ट ने दिन में कार को रिलीज करने का आदेश दिया। आधी रात 12:30 बजे कार थाने से छुड़वाई गई, फिर ट्रक में भरकर ले गए। 8 फरवरी को हादसे के बाद पुलिस कार (Lamborghini Revuelto) को थाने ले आई थी और कवर से ढक दिया गया था। तब से कार थाने में ही खड़ी थी। 4 दिन बाद यानी 12 फरवरी को पुलिस ने आरोपी कार मालिक शिवम को पकड़ा, लेकिन जमानती धाराओं में मुकदमा होने के चलते वह 7 घंटे में ही कोर्ट से छूट गया। उसी दिन यानी 12 फरवरी को ही शिवम ने कार रिलीज कराने के लिए कोर्ट में एप्लीकेशन दी थी। उसने मुकदमे की पैरवी के लिए अटॉर्नी अपने करीबी सुनील कुमार को दी। यानी अब कार से जुड़े इस मुकदमे में सुनील कुमार ही सबकुछ देखेंगे।

वारदात : मुरादाबाद में हत्यारे ने जारी किया ■ बोला- पीटा था, इसलिए मार डाला

नमाज पढ़कर लौट रहे कारोबारी को 3 गोलियां मारीं

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में टायर कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार रात करीब 9.20 बजे वह मस्जिद से नमाज पढ़कर अपने भाई के साथ घर लौट रहे थे। इसी दौरान घात लगाकर बैठे नकाबपोश हमलावर ने उन पर हमला कर दिया। हमलावर ने चार राउंड फायरिंग की, जिनमें से तीन गोलियां कारोबारी की पीठ में लगीं। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। यह देखकर हमलावर मौके से फरार हो गया। भाई ने भागकर अपनी जान बचाई। परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायल कारोबारी को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। इलाके के CCTV कैमरे खंगाले जा रहे हैं। घटना कुंदरकी कस्बे की है। वीडियो में वह वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्टल भी दिखा रहा है। उसका आरोप है कि अनीस पाशा ने कस्बे की ताजमहल बिल्डिंग में हुए चुनाव के दौरान उसके साथ मारपीट की थी।

मोहम्मद अरमान आरोपी | अनीस अहमद, मृतक

वारदात के बाद आरोपी ने एक वीडियो जारी किया। इसमें वह पिस्टल दिखाते हुए कह रहा है कि कारोबारी ने उस पर चोरी का आरोप लगाया था। कमरे में बंद कर पिटाई की थी।

घात लगाकर बैठा था नकाबपोश बदमाश

पुलिस के मुताबिक, कुंदरकी कस्बे में ब्लॉक के पास रहने वाले अनीस अहमद पाशा (48) की पाकबड़ा कस्बे में टायर की एजेंसी है। शुक्रवार को उन्होंने घर पर रोजा इफ्तार किया। नमाज अदा करने मस्जिद गए। रात करीब 9.20 बजे वह अपने भाई नफीस और बच्चों के साथ नमाज पढ़कर घर लौट रहे थे। घर से कुछ दूरी पर एक नकाबपोश हमलावर घात लगाए बैठा था। जैसे ही वे पहुंचे, हमलावर ने फायरिंग कर दी। गोली लगते ही अनीस अहमद पाशा जमीन पर गिर पड़े, जबकि भाई ने भागकर जान बचाई। परिजन आनन-फानन में अनीस अहमद पाशा को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

हत्या के बाद आरोपी ने जारी किया वीडियो

घटना के कुछ देर बाद सोशल मीडिया पर एक युवक का वीडियो सामने आया। वह अपना नाम मोहम्मद अरमान बता रहा था। वीडियो में वह घटना की जिम्मेदारी लेते हुए कह रहा है कि उसने अनीस पाशा को 3-4 गोलियां मारी हैं। नमाज अदा कर घर लौट रहे टायर कारोबारी अनीस पाशा पर बदमाश ने फायरिंग की थी। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं और जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

पृष्ठ 01 का शेष...

अमेरिका...

उसने कहा कि वह कतर की सुरक्षा के लिए हर संभव मदद करेगा। ओमान ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद हालात बहुत बिगड़ सकते हैं और इसका असर पूरे इलाके पर पड़ सकता है, जिसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) से तुरंत बैठक बुलाने की मांग की है, ताकि युद्धविराम कराया जा सके और दुनिया के देश खुलकर अंतरराष्ट्रीय कानून के समर्थन में खड़े हों। ओमान ने यह भी कहा कि हर देश को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी रक्षा करने का अधिकार है, लेकिन सभी पक्षों से संयम बरतने और बातचीत के रास्ते पर लौटने की अपील की। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने कहा है कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को देखते हुए उसने एहतियात के तौर पर खास इंतजाम किए हैं। ICC ने बताया कि भारत और श्रीलंका में चल रहे ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 पर इस हालात का सीधा असर नहीं है। लेकिन कई खिलाड़ी, कोच, मैच अधिकारी और स्टाफ अपने देश लौटने के लिए खाड़ी देशों के एयरपोर्ट, खासकर दुबई से होकर जाते हैं। ICC के प्रवक्ता ने कहा कि सभी लोगों की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। ट्रैवल और सुरक्षा टीमें लगातार काम कर रही हैं ताकि सभी लोग सुरक्षित और कम परेशानी के साथ अपने घर पहुंच सकें। फैंस से भी कहा गया है कि अगर वे ट्रैवल की प्लानिंग बना रहे हैं, तो पहले सरकारी सलाह और हालात की जानकारी जरूर देखें। ईरान के हमले के बाद बहरीन की राजधानी मनामा के जुफैर इलाके में अमेरिकी नेवल बेस से घना काला धुआं उठता दिखाई दिया। यह वही जगह है जहां अमेरिकी नौसेना की 5वीं फ्लीट और नेवल फोर्सेज सेंट्रल कमांड (NAVCENT) का मुख्यालय स्थित है। उन्होंने ईरान और अन्य मध्य-पूर्वी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और सरकार से अपील की कि वह सभी जरूरी कदम उठाकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे। हमले के बाद सामने आए विजुअल्स में नेवल बेस परिसर के ऊपर काले धुएं के बड़े गुबार दिखाई दिए। हालांकि नुकसान और हताहतों को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इजराइल ने ईरान की ओर से एक और मिसाइल हमले की आशंका जताते हुए देश के कई इलाकों में चेतावनी जारी की है। संभावित प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को मोबाइल फोन पर एहतियाती अलर्ट भेजे गए हैं। इजराइली सेना के मुताबिक, शनिवार सुबह अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद यह कम से कम छठी बार है जब ईरान से मिसाइलों की नई वेव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। पहले सामान्य चेतावनी दी जाती है, इसके बाद उन खास इलाकों के लिए क्षेत्रवार अलर्ट जारी होता है जहां हमले की आशंका होती है। सेना ने बयान में कहा कि होम फ्रंट कमांड ने संबंधित क्षेत्रों में मोबाइल फोन पर सीधे निर्देश भेजे हैं और लोगों से सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है।

पीएम ने साणंद में...

इससे देश में सेमीकंडक्टर निर्माण को मजबूती मिलेगी और देश टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। अब तक भारत माइक्रो चिप्स के मामले में आयात पर निर्भर रहा है। ऐसे में यह प्लांट देश में तकनीकी विकास, निवेश और रोजगार के नए रास्ते खोलेगा। साथ ही, यह 'मेक इन इंडिया' और डिजिटल भारत जैसे अभियानों को भी गति देगा।

राहुल गांधी की...

उसी शाम प्रधानमंत्री का फोन ट्रंप को जाता है। यह मैंने नहीं कहा है। इस बात को लेकर ट्रंप ने ट्वीट किया है। पीएम ने ट्रंप को फोन किया। लेकिन किसी मंत्री को नहीं पूछा और कह दिया कि मैं डील के लिए तैयार हूं।

योगी विदाई से...

शायद उनका इशारा होगा कि हम 500 की स्पीड से ट्रेन नहीं चला पाएंगे। उन्होंने ये मान लिया कि हमसे नहीं हो पाएगा। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मामले को लेकर अखिलेश ने कोर्ट को धन्यवाद दिया। कहा कि भाजपा के लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। ये लोग किसी भी सीमा तक गिर सकते हैं। शंकराचार्य जी को पीड़ित किया गया, दुखी किया गया, अपमानित किया गया। उनके साथ हम सब लोग हैं। भाजपा के लोग झूठ के सहारे सत्ता में हैं। उनका मूलभूत सुविधाओं पर कोई ध्यान नहीं। बिजली की महंगाई पर अंकुश नहीं। अस्पतालों की हालत खराब है। कैंसर इंस्टिट्यूट ठप पड़े हैं। गाय की बात करने वालों की सरकार में कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट ठप हो गया।

ईरान-इजराइल...

दरअसल शनिवार सुबह इजराइल ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों पर हमला किया। जवाब में ईरान ने करीब 400 मिसाइलें दागकर इजराइल के साथ कुवैत, कतर, बहरीन, सऊदी अरब में अमेरिकी ठिकानों और दुबई को निशाना बनाया। ईरान की राजधानी तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी में कहा कि जनवरी तक ईरान में 10 हजार से ज्यादा भारतीय रह रहे थे। इनमें बड़ी संख्या में छात्र शामिल हैं, जो वहां मेडिकल और अन्य कोर्सेस की पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं इजराइल में 41 हजार से ज्यादा भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

5वीं कक्षा की छात्रा ने किया सुसाइड

परिजन बोले- स्कूल से लौटने के बाद बदला था व्यवहार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 5वीं कक्षा की छात्रा ने फंदे से सुसाइड कर लिया। सुसाइड से पहले छात्रा ने मां और भाई को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद दुपट्टे का फंदा बनाकर दरवाजे में लगी कुंडी से लटक गई। मां कहना है वह अक्सर स्कूल से लौटने के बाद अपनी सहेलियों से बात करती थी और मना करने पर गुस्सा हो जाती थी। शनिवार दोपहर स्कूल से लौटने के बाद उसका बर्ताव कुछ अलग था। पूरा मामला चकेरी थाना क्षेत्र का है। मृतका की पहचान काजल (11) के रूप में हुई है। वह फतेहपुर के बड़ेगांव के रहने वाले बावर्ची आशाराम राजपूत की बेटी थी। आशाराम पिछले सात साल से चकेरी के सनिगवां स्थित राधेनगर में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी श्यामादेवी, बेटा हिमेश और दो बेटियां नंदनी और काजल

काजल, मृतक

हैं। काजल की मां श्यामादेवी ने बताया- शनिवार सुबह 11 बजे काजल स्कूल से लौटी। इसके बाद वह अपने भाई-बहनों के साथ घर में खेल रही थी। दोपहर करीब 1 बजे काजल ने अपनी मां श्यामादेवी और भाई हिमेश को एक कमरे में बंद कर दिया। कुछ ही देर बाद काजल ने बाथरूम में रखे दुपट्टे से दरवाजे की चौखट में लगी कुंडी से लटक गई। कमरे में बंद मां के शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676